संस्तुति

मैं संस्तुति करता हूँ कि ***श्री. अशोक मोहन मस्के*** का एम्. फिल. (हिंदी) उपाधि हेतु प्रस्तुत ***''असगर वजाहत के उपन्यास : बदलते मानव जीवन की मीमांसा''*** लघु शोध-प्रबंध परीक्षणार्थ अग्रेषित किया जाए।

स्थान : कोल्हापुर.

तिथि : 25 MAR 2004

(डॉ. पांडुरंग पाटील)
अध्यक्ष,
हिंदी विभाग,
शिवाजी विश्वविद्यालय,
कोल्हापुर.

डॉ. अर्जुन गणपति चव्हाण
एम्.ए., बी. एड्., पीएच्.डी.
प्रपाठक, हिंदी विभाग,
शिवाजी विश्वविद्यालय,
कोल्हापुर - 416 004.

प्रमाणपत्र

प्रमाणित किया जाता है कि ***श्री. अशोक मोहन मरळे*** ने शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर की एम्. फिल. (हिंदी) उपाधि के लिए ***''अस्गर वजाहत के उपन्यास : बदलते मानव जीवन की मीमांसा''*** लघु शोध-प्रबंध मेरे निर्देशन में पूरे परिश्रम के साथ लिखा है। पूर्वयोजना के अनुसार संपन्न इस शोध-कार्य में शोधार्थी ने मेरे सुझावों का आद्यंत पालन किया है। जो तथ्य इस लघु शोध-प्रबंध में प्रस्तुत किए गए हैं, मेरी जानकारी के अनुसार सही हैं। प्रस्तुत शोध-कार्य के बारे में मैं पूरी तरह संतुष्ट होकर ही इसे परीक्षणार्थ प्रस्तुत करने की अनुमति प्रदान करता हूँ।

स्थान :- कोल्हापुर.
तिथि :- 24 MAR 2004

शोध-निर्देशक
24.03.04
(डॉ. अर्जुन गणपति चव्हाण)

प्रख्यापन

''असगर वजाहत के उपन्यास : बदलते मानव जीवन की मीमांसा''

लघु शोध-प्रबंध मेरी मौलिक रचना है, जो एम्. फिल. (हिंदी) उपाधि के लिए प्रस्तुत की जा रही है। यह रचना इससे प्हले शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर या अन्य किसी भी विश्वविद्यालय की उपाधि के लिए प्रस्तुत नहीं की गई है।

शोध-छात्र

(श्री. अशोक मोहन मरळे)

स्थान : कोल्हापुर.

तिथि : 24 MAR 2004